Hon. Members may recall the detailed rulings on the Rule 267 imparted by the Chair on 8th December, 2022 and 19th December, 2022. The same have been reiterated a number of times. Since these notices do not conform to the directives imparted by the Chair, the same are declined. ...*(Interruptions)*... Please sit down. Now, Matters raised with permission. Shri Iranna Kadadi. ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record. Please take your seat. Now, Shri Iranna Kadadi – Concern over increasing cases of fake surgeries in the country. ...*(Interruptions)*... Please speak. श्री ईरण्ण कडाडी , केवल आपकी बात ही रिकॉर्ड पर जाएगी। ...(**व्यवधान**)... Please sit down. ...*(Interruptions)*... Please take your seats. ...*(Interruptions)*...

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Concern over increasing cases of fake surgeries in the country

श्री ईरण्ण कडाडी (कर्णाटक) **:** उपसभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, मैं इस सरकार का ध्यान एक अत्यंत संवेदनशील मुद्दे की तरफ आकर्षित करना चाहूंगा। डॉक्टरों को सदियों से भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन आज चिकित्सा क्षेत्र में अत्यधिक व्यावसायीकरण ने इस पेशे की गरिमा को संकट में डाल दिया है। पहले जहाँ चिकित्सा एक सेवा थी, वहीं अब यह एक लाभ केंद्रित प्रणाली बन गई है। मेडिकल कॉलेजों की ऊँची फीस, निजी अस्पतालों की बढ़ती संख्या और स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण ने इसे बाज़ार आधारित प्रणाली में बदल दिया है। नी रिप्लेसमेंट, केटेरेक्ट सर्जरी, गाल ब्लेडर रिमूवल, एंजियोप्लास्टी और स्पाइनल सर्जरी जैसी प्रक्रिया अब कई जगहों पर बीमा राशि का अनुचित लाभ उठाने के लिए की जा रही है। ...(**व्यवधान**)...

महोदय, कई निजी अस्पतालों में डॉक्टरों की आय इस बात पर निर्भर करती है कि वे कितनी सर्जरी करवाते हैं। महोदय, उन्हें टारगेट दिए जाते हैं, जिससे मरीजों को अनावश्यक ऑपरेशन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सरकार ने गरीबों को स्वास्थ्य सेवा देने के लिए आयुष्मान भारत जैसी योजना शुरू की है, लेकिन अब इसमें भी फर्जी सर्जरी और फर्जी क्लेम के मामले सामने आ रहे हैं, जिससे मरीजों की सुरक्षा और सरकारी योजनाओं की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। इसके अलावा फर्जी डॉक्टर्स और अप्रशिक्षित चिकित्सक बिना योग्यता के मरीजों का इलाज कर रहे हैं, जिससे उनके जीवन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। महोदय, इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए मेरा सरकार से आग्रह है कि ऐसे अनधिकृत चिकित्सकों और क्लिनिकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। ...(**व्यवधान**)... महोदय, फर्जी सर्जरी को रोकने के लिए निजी अस्पतालों का नियमित ऑडिट अनिवार्य किया जाए और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में हो रहे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और चिकित्सा पेशे की गरिमा भी बनी रहे। महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Iranna Kadadi: Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) Shrimati Darshana Singh (Uttar Pradesh), Smt. Sangeeta Yadav, (Uttar Pradesh) and Dr. Sasmit Patra (Odisha). Now, Shri Sanjay Kumar Jha. Demand to announce Minimum Support Price for Makhana (Foxnuts) and to include it under Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY) in the State of Bihar. *...(Interruptions)...*माननीय सदस्य, आपकी कोई बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है, इसलिए मैं आपसे रिक्वेस्ट करूंगा। आपके रूल 267 के बारे में ऑलरेडी चेयर का निर्णय आ चुका है, हम आपको उस पर आगे किसी चीज़ की इजाजत नहीं दे सकते हैं। Please sit down. *...(Interruptions)..* श्री संजय कुमार झा, आप अपना भाषण आरंभ कीजिए।

Demand to announce Minimum Support Price for Makhana (Foxnuts) and to include it under Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY) in Bihar

श्री संजय कुमार झा (बिहार) : महोदय, बिहार में मखाना के उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग तक लगभग 5 लाख से अधिक मल्लाह, सहनी और अति पिछड़े समाज के परिवारों की रोज़ी-रोटी जुड़ी हुई है। मखाना की खेती एक असाधारण और पीड़ादायक प्रक्रिया है। पारंपरिक रूप से मखाना का उत्पादन गहरे तालाबों में होता आया है, जहाँ किसान मखाना के बीज को एकत्र करने के लिए पानी में गोता लगाते हैं। इस प्रक्रिया में समय, शक्ति और मजदूरी पर अधिक खर्च होता है।

महोदय, बिहार सरकार की सहायता से पिछले कुछ वर्षों में किसानों ने खेतों में मखाना की नर्सरी लगाने की प्रक्रिया शुरू की है। खेत में नर्सरी लगाने से पहले खेत की दो-तीन बार गहरी जुताई की जाती है और लगभग 2 से 3 फीट तक पानी भरा जाता है। इस पानी को मार्च से मानसून के बारिश के आने तक बनाए रखना आवश्यक होता है, नहीं तो पूरी फसल नष्ट हो जाती है।

महोदय, मखाना का फल कांटेदार और छिलकों से घिरा होता है, जिससे इसे निकालने और इसका उत्पादन में कठिनाई होती है। पानी से मखाना निकालते समय लगभग 20 से 25 प्रतिशत मखाना छूट जाता है और उतारते समय भी इतना प्रतिशत मखाना खराब हो जाता है। एक एकड़ मखाना की खेती में लगभग ₹60,000 से 75,000 तक का खर्च आता है। अमूमन मखाना की हार्वेस्टिंग करने में ही किसानों की एक तिहाई रकम खर्च हो जाती है। महोदय, हाल के वर्षों में किसानों को उचित मूल्य न मिलने की समस्या गंभीर रूप से उभरी है। मखाना का बाजार मूल्य उच्च होता है, लेकिन जैसे ही किसान अपनी फसल को बाजार में लाते हैं इसका मूल्य अचानक गिर जाता है, जिससे किसानों को उनका मेहनताना सही तरीके से नहीं मिलता और उन्हें काफी नुकसान होता है।

(At this stage, some hon. Members left the Chamber.)